Dr. Sunil kr. Suman
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study material
B.A. Part-II (H)
Paper-III
Date:- 23-9-20

Models of Psychology

Psychopathologies of Everyday Life

~~स्वरू~~

स्वरूप (Nature):- सभी व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में कुछ न कुछ भूलें करता है। इसमे से कुछ भूलें करता है। इसमे से कुछ भूलें ऐसी होती है, जिनका हमे ज्ञान होता है तथा हम तुरंत भूलों को मैं सुधार कर लेते है। परन्तु कुछ भूलें ऐसी होती है जिसे व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में अज्ञानतावश तथा अनायास कर बैठता है, ये ऐसी भूलें (errors) है जो व्यक्ति को निरुद्देश्य (unpurposeful) तथा मात्र संयोगवश (Just by chance) होने लगता है। फ्रायड के अनुसार ऐसी भूलें अनायास नहीं होती है बल्कि उनका कारण होता है जो अचेतन (unconscious) में दमित (Repressed) होता है। अचेतन में दमित विरोधी विचार (contradictory thoughts), कामुक इच्छाएं (Sexual Desire), अतृप्त इच्छाएं (unfulfilled wishes), आक्रामक प्रवृत्तियाँ (aggressive tendencies) ही इन भूलों का कारण होती है। अचेतन में दमित ऐसी प्रवृत्तियाँ इन गलतियों या भूलों द्वारा चेतन में अभिव्यक्त (Expressed) होती है। ऐसी गलतियाँ (errors) को ही फ्रायड ने "दैनिक जीवन की मनोविकृतियाँ" (Psychopathologies of everyday life) कहा है। फ्रायड ने अपनी पुस्तक "साइकोपैथोलॉजी ऑफ एवरीडे लाइफ" ~~'Psy~~ 'Psychopathology of Everyday life' जो 1914 में प्रकाशित हुआ, में इन मनोविकृतियों का

P.T.O.

विस्तृत वर्णन किया है। इन मनोविकृतियों (Psychopathologies) में बोलने की भूलें (Slip of tongue), लिखने की भूलें (Slip of pen) किसी व्यक्ति के स्थान के नामों को भूलना (Forgetting of names) चीजों को इधर-उधर रखने की भूलें (misplacing of objects), पहचानने की भूलें (errors in recognition), छपाई की भूलें (misprints), अनजाने में की गई क्रियाएँ (erroneously carried out actions) आदि प्रमुख हैं। चूँकि इन भूलों के कारण अचेतन में होते हैं, अतः व्यक्ति इन भूलों के प्रति अनभिज्ञ रहता है तथा उसे मात्र संयोगवश या बिना ध्यान के होने वाली गलती समझकर अपने आपको संतुष्ट कर लेता है।

Next class

Scanned with CamScanner